3 राजधानी
लविवि में छात्रसंघ की बहाली का रास्ता साफ

8 अभिमत
कैब व भावी एनआरसी पर व्याप्त संदेह

12 विदेश
ब्रिटेन में बेरिस जॉनसन की ऐतिहासिक जीत

15 स्पोर्ट्स
आईपीएल नीलामी में शामिल होंगे 332 खिलाड़ी

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 57
लखनऊ, शनिवार, 14 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

कभी मैं अन्य गायकों संग अपनी तुलना करती थीः शालमली
विविध-16

www.dailypioneer.com

छात्रों को बताये हवन से होने वाले फायदे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वायु प्रदूषण से निपटने के प्राचीन भारतीय संस्कृति पर हुये शोध, जो यह दावा करते हैं कि हवन न सिर्फ वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों को नष्ट करता है बल्कि पेड़ पौधों और मनुष्यों के लिए लाभकारी भी है, तो यह शोध सभी का ध्यान आकर्षित करता है। इसी शोध को केंद्र में रखकर शुक्रवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शोधार्थियों ने जर्मन एसोसिएशन ऑफ होमा थेरेपी के प्रेसिडेंट डॉक्टर उलरिक बर्क से साइंटिफिक आस्पेक्ट्स ऑफ़अग्निहोत्र होमा थेरेपी विषय पर चर्चा की।

डॉ उलरिक बर्क पिछले कई वर्षों से अग्निहोत्रा के पर्यावरण पर पड़ने वाले वैज्ञानिक प्रभावों पर अध्ययन कर रहे हैं। डॉ बर्क ने अग्निहोत्रा के बाद पाए गए परिणामों को साझा करते हुए बताया कि अग्निहोत्रा से पहले हवा में पाए जाने वाले पीएम और अग्निहोत्रा के बाद हवा में पाए जाने वाले पीएम की मात्रा में काफी गिरावट देखी गई। इसके साथ ही उन्होंने अग्निहोत्रा के बाद बची राख

से पानी को शुद्ध करने की बात भी कही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सलाइन और एल्काइन वाटर की समस्या का जिक्र करते हुए बताया कि अग्निहोत्रा की राख को सलाइन वॉटर में डाला गया और उसके 6 महीने बाद जो परिणाम सामने आए वह चौकाने वाले थे। पहले पानी में 1150 पीपीएम था जो कि राख डालने के 6 महीने बाद 720 पीपीएम मापा गया। इसके साथ ही उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता को भी अग्निहोत्रा की राख से बढ़ाने की बात कही उन्होंने बताया कि एग्रोकेमिकल के प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में कमी आई है लेकिन होमा थेरेपी मिट्टी की गुणवत्ता को वापस लाने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि एक शोध के अनुसार पहले मिट्टी में पीएच की मात्रा 9.86 मापी गई, वर्मी कंपोस्ट डालने के बाद पीएच की मात्रा 9.06 रही जबकि वर्मी कंपोस्ट को जब अग्निहोत्रा की राख के साथ मिलाकर डाला गया तो उसमें पीएच की मात्रा 7.67 देखी गई।